www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 269 || लखनऊ
शुक्रवार
02 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:55
सूर्यास्तः 05:25
अधिकतमः 19°00
न्यूनतमः 11°00

पेज 03

विशेष समाचार | 2 जनवरी उनके शहादत दिवस पर ... >> पेज 02 | नए साल पर लखनऊ में बनेंगे ढाई ... >> पेज 04 | प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर 'स्पिरिट' का फर्स्ट ...

बांग्लादेश में फिर हिंदू शख्स को भीड़ ने जलाया

धारदार हथियारों से हमला, अस्पताल में भर्ती, 15 दिन में हिंदू को जलाने का दूसरा मामला

हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में फिर से एक हिंदू शख्स को जलाने का मामला सामने आया है। शरियतपुर जिले में 31 दिसंबर को 50 वर्षीय खोकोन दास पर भीड़ ने हमला कर दिया। खोकोन दास घर लौट रहे थे, तभी कुछ लोगों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। पहले उन पर धारदार हथियारों से हमला किया गया, फिर बेरहमी से पीटा गया और आग के हवाले कर दिया गया। इस हमले में वे गंभीर रूप से झुलस गए। घायल अवस्था में खोकोन दास को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। दीपू दास को भीड़ ने ईशनिंदा के झूठे आरोप लगाकर पीटा था। वे एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करते थे। इस मामले की जांच में यह सामने आया कि जिस दावे के आधार पर भीड़ ने हमला किया था, उसके कोई सबूत नहीं मिले। दरअसल, सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाया जा रहा था कि दीपू चंद्र दास ने फेसबुक पर ऐसी टिप्पणी की थी, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं, लेकिन जांच एजेंसियों का कहना है कि अब तक ऐसी किसी भी पोस्ट या टिप्पणी के प्रमाण नहीं मिले हैं।

आग में झुलसने के बाद खोकोन दास को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

> पुलिस ने बताया कि अमृत को भीड़ ने जबरन वसूली के आरोप में मार डाला। वह होसेनडांगा गांव का ही निवासी था। पुलिस ने बताया कि अमृत के खिलाफ पांगशा पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज हैं। इनमें एक हत्या का मामला भी शामिल है। इसके बाद 29 दिसंबर को मैमनसिंह जिले में एक कपड़ा फैक्ट्री के अंदर हिंदू कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना भालुका उपजिला की सुलताना स्वेटर्स लिमिटेड फैक्ट्री में हुई।

बांग्लादेश में 12 दिन में 3 हिंदुओं की हत्या

बांग्लादेश में 12 दिन के भीतर 3 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। 18 दिसंबर को दीपू चंद्र की हत्या के बाद 24 दिसंबर को भीड़ ने एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना राजबाड़ी जिले के होसेनडांगा गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 29 वर्षीय अमृत मंडल उर्फ सम्राट के तौर पर हुई। मृतक की पहचान बजेंद्र बिस्वास (42) के रूप में हुई है, जो फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड था। इसके बाद उनके शव को पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी गई थी।

आग में झुलसे हिंदू शख्स खोकोन दास का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पिछले महीने हिंदू युवक को पेड़ पर लटकाकर जलाया

बांग्लादेश में 15 दिन के भीतर दूसरी बार हिंदू शख्स को हवाले किया गया है। इससे पहले 18 दिसंबर को मैमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। घटना राजबाड़ी जिले के होसेनडांगा गांव में हुई।

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच एक घंटे मुलाकात

बीएमसी चुनाव में गठबंधन और सीट बंटवारे पर चर्चा

बातचीत

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे गुरुवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के चीफ राज ठाकरे के शिवाजी पार्क स्थित घर पहुंचे। दोनों के बीच करीब 1 घंटे तक गठबंधन और सीट बंटवारे पर चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों गठबंधन में अभी भी कुछ सीटों पर पेंच फंसा हुआ है। उधर, शिवसेना UBT में आदित्य ठाकरे की करीबी मानी जाने वाली और पार्टी की उपनेता शीतल देवरुखकर-शेठ ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही उनके जल्द ही BJP में शामिल होने की खबरे हैं। शीतल शिवसेना UBT की युवा सेना की कोर कमेटी की मेंबर भी थीं। राज्य के मुंबई, पुणे समेत 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को मतदान होगा।

- 24 दिसंबर को उद्धव और राज ठाकरे ने मुंबई में जॉइंट प्रेस कांफ्रेंस की थी। इसमें नगर निगम चुनाव के लिए गठबंधन का ऐलान किया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

सराफा कारोबारी ने दंपती को चाकू से गोदा

मंदसौर। मंदसौर के गोल चौराहा क्षेत्र में बुधवार रात व्यापारिक लेन-देन को लेकर हुई फायरिंग की घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सराफा व्यापारी दिलीप जैन, उनकी पत्नी रेखा जैन और विकास सोनी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही एसपी विनोद कुमार मीणा, एडिशनल एसपी टीएस बघेल सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

भारत-पाकिस्तान ने एक-दूसरे को परमाणु ठिकानों की जानकारी दी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने गुरुवार 1 जनवरी को एक-दूसरे के साथ अपने परमाणु ठिकानों की लिस्ट शेयर की है। ये ठिकाने वही हैं, जहां दोनों देशों के परमाणु हथियार रखे जाते हैं। यह परंपरा पिछले 35 साल से चल रही है। भारत और पाकिस्तान ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के जरिए इस लिस्ट का आदान-प्रदान किया। यह सूची भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध संबंधी समझौते के तहत आती है। यह समझौता 31 दिसंबर 1988 को साइन किया गया था। इसमें लिखा है कि दोनों देश इन परमाणु ठिकानों पर हमला नहीं करेंगे।

2 दिन के लिए कुरुक्षेत्र आएंगे राहुल गांधी

चंडीगढ़। हरियाणा में नए साल पर कांग्रेस के दिग्गज नेता जुटेंगे। इनमें सबसे बड़ा नाम राहुल गांधी का है। वह यहां 2 दिन रहकर हरियाणा और उत्तराखंड के कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को ट्रेनिंग देंगे। बल्कि जिलों और बूथों से लड़ने की के लिए तैयार किया जाए। इसी रणनीति के तहत 13 से 22 जनवरी तक कुरुक्षेत्र में कांग्रेस जिलाध्यक्षों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा।

प्लेन उड़ाने से पहले एअर इंडिया पायलट ने शराब पी

टेस्ट में फेल, कनाडा से दिल्ली आने वाली फ्लाइट से उतारा

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। कनाडा के वैंकूवर से दिल्ली आने वाली एअर इंडिया फ्लाइट के पायलट को विमान से उतार दिया गया। पायलट पर शराब पीने का आरोप था। मामला 23 दिसंबर का है, एयर इंडिया की फ्लाइट AI186 टेक-ऑफ करने वाली थी। तभी वैंकूवर एयरपोर्ट के एक स्टाफ ने पायलट को वाइन पीते हुए देखा। जिसके बाद कर्मचारी ने अधिकारियों से शिकायत की। कनाडाई अधिकारियों पायलट के पास जांच करने पहुंचे तो उसके मुंह के पास से महक आई। फिर पायलट का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट लिया गया। जिसमें वह फेल हो गया। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा, सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार फ्लाइट को ऑपरेट करने के लिए एक दूसरे पायलट को रोस्टर में शामिल किया गया था। फिर वह फ्लाइट को लेकर दिल्ली आया। फ्लाइट में करीब 2 घंटे की देरी हुई। एअर इंडिया ने असुविधा के लिए माफी मांगी। प्रवक्ता ने कहा, एअर इंडिया अपने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है और स्थानीय अधिकारियों के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रहा है। इंतजार के दौरान पैसेंजर्स को नाश्ता दिया गया।

पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी-कोलकाता के बीच चलेगी

थर्ड एसी का किराया ₹2,300, वैष्णव बोले- बुलेट ट्रेन अगले साल 15 अगस्त को शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी। थर्ड एसी का किराया 2,300 तय किया गया है। सेकेंड एसी का किराया 3,000 होगा। फर्स्ट AC का किराया करीब 3,600 प्रस्तावित किया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का ट्रायल, टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन पूरा कर लिया है। स्लीपर ट्रेन को 1000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस साल के आखिर तक लगभग 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें तैयार हो जाएंगी। दो दिन पहले इस ट्रेन का ट्रायल रन किया गया था। यह ट्रेन 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से कोटा-नागदा रेलवे ट्रैक पर दौड़ी। लोको पायलट ने 4 ग्लास में पानी रखा, इतनी रफ्तार के दौरान भी ग्लास में से पानी नहीं छलका। उधर बुलेट ट्रेन को लेकर रेलमंत्री ने कहा कि यह 15 अगस्त 2027 को शुरू होगी।

- वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 16 कोच हैं। इनमें 11 थर्ड एसी, 4 सेकेंड एसी और एक फर्स्ट एसी कोच हैं।
- दो दिन पहले चार पानी के ग्लास को रखकर ट्रेन के सस्पेंशन का टेस्ट हुआ था।

>> (शेष पेज 04 पर)

14 मौतों की वजह बना पाइपलाइन में लीकेज

मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट- इससे पानी में मिले जानलेवा बैक्टीरिया

1400 लोग अब तक इन्फेक्टेड

तमसा संकेत, एजेंसी

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों और बीमारियों पर अब सरकारी रिपोर्ट की मुहर भी लग गई है। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने कहा- महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज की लैब में जांचे गए पानी के नमूनों की रिपोर्ट आज स्वास्थ्य विभाग को मिल गई है। इसमें साफ तौर पर पुष्टि हुई है कि दूषित पानी पीने से ही लोग बीमार पड़े और उनकी जान गई। हसानी ने कहा- पाइपलाइन में लीकेज के कारण पानी दूषित हुआ है। यह किस जगह और किस लेवल का है, इसके बारे में संबंधित अधिकारी ही बता पाएंगे। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी माना कि भागीरथपुरा के पेयजल में सीवेज का पानी मिलने से हालात बिगड़े हैं। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि चौकी के पास जो लीकेज वाली जगह है, वहीं इसकी सबसे प्रमुख आशंका है। वहीं, सांसद शंकर लालवानी ने बताया- क्षेत्र से लिए गए पानी के सैंपल की रिपोर्ट में जानलेवा बैक्टीरिया मिले हैं। बता दें कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से अब तक 14 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। वहीं, करीब 1400 लोग इन्फेक्शन के शिकार हुए हैं। भागीरथपुरा में हुई मौतों के लिए सरकार और इंदौर प्रशासन को जिम्मेदार बताते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और समाजवादी पार्टी ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय के सामने ही उनके पिता मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ नारे लगाए। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा मीडियाकर्मी से बदसलूकी के विरोध में महिला कांग्रेस ने भोपाल में प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ता हाथों में घंटियां लेकर मंत्री के सरकारी बंगले पर पहुंचीं।

>> (शेष पेज 04 पर)

पूर्व विधायक सकलेचा ने उच्च स्तरीय जांच आयोग बनाने की मांग की

रतलाम से पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने दूषित पानी से मौतों के मामले में जांच आयोग बनाने की मांग की है। सकलेचा ने गुरुवार को कहा- इंदौर की घटना पेयजल की पाइप लाइन में सीवर की गंदगी के मिलने से हुई है। यह प्रक्रिया हर उस शहर में हो रही है, जहां सीवरेज की पाइपलाइन डाली गई है। जो इंदौर में हुआ है, वह धीमी गति से प्रत्येक शहर में घट रहा है। आज नहीं तो कल, इस घटना की सारे शहरों में पुनरावृत्ति होगी। भागीरथपुरा की महिलाओं ने बताया कि आज पानी की सप्लाई तो हुई लेकिन उन्होंने पानी नहीं भरा। पानी को लेकर इलाके में डर का माहौल है। नल से आ रहे पानी की बजाय इलाके के लोग बोरिंग और RO का पानी यूज कर रहे हैं।

> मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी माना कि भागीरथपुरा में पेयजल में सीवेज का पानी मिलने से हालात बिगड़े हैं। उन्होंने कहा- जो संभावना थी कि पेयजल में सीवेज का पानी मिला है, उसका ट्रीटमेंट पहले से चालू था। अभी भी वही ट्रीटमेंट चल रहा है। मंत्री ने कहा- मुझे लगता है कि चौकी के पास जो लीकेज वाली जगह है, वहीं इसकी सबसे प्रमुख आशंका है। बाकी की जगह भी 100 प्रतिशत जगह चेक करेंगे। सकलेचा ने मांग की है कि जिम्मेदारों को कड़ी सजा देने के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय जांच आयोग का गठन किया जाना चाहिए। शासन को उन नगरों में जहां सीवरेज लाइन डाली गई है।

गंदे पानी से प्रभावित परिवारों और मृतकों के परिजन के बीच मंत्री विजयवर्गीय बातचीत करने उतरे। यहां लोगों में गुस्सा दिखा।

मंत्री विजयवर्गीय के सामने नाराज हुईं महिलाएं

इससे पहले सुबह मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भागीरथपुरा पहुंचे। इस दौरान 7 मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए के चेक दिए जाने थे। परिजन ने मंत्री की मौजूदगी में नाराजगी जताते हुए कहा- हमें आपका चेक नहीं चाहिए। विजयवर्गीय स्कूटर पर सवार होकर भागीरथपुरा पहुंचे थे। इस दौरान महिलाओं ने नाराजगी जाहिर की। इसका वीडियो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। वीडियो में एक महिला कहती दिख रही है- पिछले दो साल से गंदा पानी आ रहा है। भाजपा पार्षद को बार-बार बताया गया, लेकिन आज तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। जीतू ने X पर लिखा- पूरा मोहल्ला बीमार है, लेकिन सत्ता के अहंकार में चूर मंत्री जी ने गाड़ी आगे बढ़ा ली और बहन की बात तक नहीं सुनी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, मंत्री विजयवर्गीय का इस्तीफा मांगा

भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार को भोपाल में प्रेसवार्ता की। मामले में सरकार को दोषी ठहराया मीडियाकर्मी से बदसलूकी करने वाले मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का इस्तीफा भी मांगा। इससे पहले बुधवार को पटवारी ने मुख्यमंत्री को टैग करते हुए X पर लिखा- @drmohanyadav51 जी, यह क्या तमाशा कर रही है आपकी सरकार और आपके मंत्री। न पीड़ितों को मुफ्त इलाज मिल रहा है, न संवेदना, ऊपर से आपके अहंकारी मंत्री अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। थोड़ी सी भी शर्म बची है तो ऐसे बदतमीज मंत्रियों से नैतिकता के आधार पर तत्काल इस्तीफा लीजिए। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से बुधवार को एक रिपोर्टर ने कहा- अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजन को इलाज में खर्च पैसों का रिफंड अभी तक नहीं मिला है। इस पर विजयवर्गीय ने कहा- अरे छोड़ो यार, तुम फोकट प्रश्न मत पूछो। इस पर रिपोर्टर ने कहा- यह फोकट प्रश्न नहीं है। हम वहां होकर आए हैं। इसके जवाब में मंत्री विजयवर्गीय ने झल्लाते हुए अपशब्द कह दिए।

हादसा : 40 लोगों की मौत, 100 घायल, इनमें कई विदेशी नागरिक

स्विट्जरलैंड के रिसॉर्ट में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान ब्लास्ट

- पुलिस ने आग लगने के बाद की एक तस्वीर जारी की है, जिसमें बार की छत दिखाई दे रही है। इसमें कुर्सियां, बेंच और उनके कुशन कमरे में इधर-उधर बिखरे हुए हैं।
- घटनास्थल को सील कर दिया गया है और स्विस पुलिस के अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

बर्न। स्विट्जरलैंड के क्रांस मोंटाना शहर के 'अल्पाइन स्की रिसॉर्ट' में गुरुवार को न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान विस्फोट हुआ। न्यूज मीडिया 'द मिरर' ने लोकल मीडिया से हवाले से बताया कि विस्फोट में 40 लोग मारे गए हैं, जबकि 100 से ज्यादा घायल हैं। स्विट्जरलैंड पुलिस ने गुरुवार को स्थानीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें बताया कि विस्फोट रिसॉर्ट के कॉन्स्टेलेशन बार में रात 1:30 बजे हुआ। हालांकि पुलिस ने मरने वालों की संख्या नहीं बताई गई लेकिन कहा कि कई दर्जन लोगों की मौत की आशंका है, जिनमें कई देशों के नागरिक शामिल हैं। फिलहाल क्रांस-मोंटाना शहर को नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है। पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू में जुटी हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

वर्ल्ड फेमस टूरिस्ट प्लेस इंटरलाकेन से 100 किमी दूर है क्रांस मोंटाना

हादसे वाली जगह क्रांस मोंटाना एडवेंचर गेम्स के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस इंटरलाकेन से करीब 100km की दूरी पर है। वहां पैराग्लाइडिंग, स्कीइंग और ट्रेकिंग के लिए दुनियाभर के लोग पहुंचते हैं। थून और ब्रिएंज झील के बीच बसे इंटरलाकेन से आल्प्स माउंटेन रेंज के आइगर, मोंक और जुंगफ्राउ पर्वतों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

बांग्लादेशी खिलाड़ी को खरीदने पर शाहरुख का विरोध

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं की हो रही हत्या पर धर्मगुरुओं देवकीनंदन ठाकुर और जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरुवार को आपत्ति जताई। कहा कि इसके बावजूद बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को IPL में क्यों खरीदा गया। रामभद्राचार्य ने कहा,'शाहरुख खान हीरो नहीं है। उनका कोई चरित्र नहीं है। वे गद्दारों जैसे काम रहे हैं।' शाहरुख की फ्रैंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने क्रिकेटर रहमान को 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा है। देवकीनंदन ने कहा कि एक टीम मालिक इतना पत्थर दिल कैसे हो सकता है कि वह उस देश के क्रिकेटर को अपनी टीम में शामिल करे, जहां हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। दरअसल बांग्लादेश में 12 दिन में 3 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। भारत में इसका विरोध हो रहा है। कई जगह प्रदर्शन हो रहे हैं आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर ने विरोध जताते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं का बेरहमी से कत्ल किया जा रहा है।

एसी-फ्रिज जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान 10% तक महंगे हो सकते हैं

बीई स्टार रेटिंग के नए नियम लागू, कॉपर की बढ़ती कीमतों का भी असर

बढ़ोतरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नए साल में रेफ्रिजरेटर (फ्रिज) और एयर कंडीशनर (AC) जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण महंगे हो सकते हैं। आज यानी 1 जनवरी से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (BEE) के नए स्टार रेटिंग नियम लागू हो गए हैं। इससे रूम एयर कंडीशनर की कीमतों में 10% और फ्रिज के दाम में 5% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनियों का कहना है कि नई रेटिंग के हिसाब से मशीनरी में बदलाव और महंगे कंपोनेंट्स के इस्तेमाल की वजह से यह इजाफा जरूरी हो गया है। साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी और ग्लोबल मार्केट में कॉपर (तांबा) के बढ़ते दाम भी मैन्युफैक्चरर्स पर दबाव बना रहे हैं। BEE के नए नियमों के तहत एनर्जी एफिशिएंसी के मानक सख्त हो गए हैं। ब्लू स्टार के मैनेजिंग डायरेक्टर बी. त्यागराजन ने बताया कि नए नियम लागू होने के बाद आज का 5-स्टार AC कल का 4-स्टार बन जाएगा। इसी तरह मौजूदा 4-स्टार को 3-स्टार और 3-स्टार को 2-स्टार रेटिंग दी जाएगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

जीएसटी-2.0 कटौती से पहले वाले दाम पर पहुंच सकती हैं कीमतें

इसी साल सितंबर में सरकार ने रूम एयर कंडीशनर पर GST में 10% की कटौती की थी, जिससे ग्राहकों को राहत मिली थी। हालांकि, अब स्टार रेटिंग में बदलाव और रॉ मटेरियल महंगा होने से कीमतों में जो बढ़ोतरी होगी, उससे GST का फायदा लगभग खत्म हो जाएगा। डाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया के चेयरमैन कंवलजीत जावा का कहना है कि नई कीमतों के बाद दाम उसी स्तर पर पहुंच सकते हैं, जो GST कटौती से पहले थे।

सम्पादकीय

गिग वर्कर्स की हड़ताल

नए साल की पूर्व संध्या पर देश में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसकी कल्पना सुविधाभोगी संपन्न तबके ने नहीं की थी। 31 दिसंबर को देश भर के डिलीवरी करने वाले गिग वर्कर्स हड़ताल पर उतर आए। इसका मतलब यह हुआ कि स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से जुड़े हजारों डिलीवरी पार्टनर्स ने बुधवार को ऐप बंद करके काम रोका, जबकि यह दिन उनके लिए काम के लिहाज से सबसे व्यस्ततम दिनों में से एक होता है। कुछ साल पहले तक पड़ोस के परचून की दुकान वाला घर पहुंच सेवा दिया करता था। हालांकि उसमें कोई समयसीमा नहीं होती थी, फिर भी बुर्जुगों, अकेले रहने वालों या अन्य तरह से जरूरतमंदों के लिए यह बड़ी सुविधा होती थी। इसी चलन को मोबाइल ऐप्स पर आधारित कर एक नए किस्म का व्यवसाय खड़ा कर दिया गया। घर बैठे 10 मिनट में सारी चीजें मिलने लगीं, मानो कोई चिराग का जिन्न हो, जो आदेश देते ही उसे पूरा कर दे। पलक झपकते ही इच्छा पूरी होने वाली बात मुहावरे तक सीमित नहीं रही, उसे गिग वर्कर्स ने सच कर दिखाया। हालांकि इसमें उनके लिए जो खतरे बढ़े, उसे पहचानते हुए भी दूर करने की पहल नहीं की गई। इसलिए अब उन्हें हड़ताल पर उतरना पड़ा है। यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन यानी टीजीपीडब्ल्यूयू और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यानी आईएफ़एटी के बैनर तले की गई। आईएफ़एटी ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे एक ख़त में 10 मिनट की असुरक्षित डिलीवरी व्यवस्था पर रोक लगाने, सही मजदूरी देने, हाल ही में लागू नए श्रम कानूनों के तहत कंपनियों को नियमों में लाने और यूनियन बनाने तथा मोल-भाव करने के अधिकार को मान्यता देने की मांग की है। टीजीपीडब्ल्यूयू के नेता शेख सलाउद्दीन का कहना है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां '10 मिनट डिलीवरी' का विकल्प पूरी तरह हटा दें, क्योंकि इससे कर्मचारियों पर बहुत दबाव पड़ता है और दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। इसके साथ ही, पुरानी भुगतान व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें त्योहारों जैसे दशहरा, दीवाली और बकरीद पर अच्छा वेतन और भत्ता मिलता था। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू किया, जिससे गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार एक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाया गया। इससे इन कर्मचारियों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस पर रजिस्ट्रेशन हो सकेगा और वे स्वास्थ्य, विकलांगता, दुर्घटना बीमा और बुढ़ापे की सहायता जैसी योजनाओं का फायदा उठा सकेंगे। इसका मक़सद लाखों कर्मचारियों को उनकी गैर-परंपरागत नौकरी के बावजूद बुनियादी सुरक्षा देना है। सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत, पहली बार 'गिग वर्कर्स', 'प्लेटफॉर्म वर्कर्स' और 'एग्रीगेटर्स' कंपनियों की परिभाषा दी गई है। इस कोड में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक सोशल सिक्योरिटी फंड बनाने की योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी की राशि, जुर्माने आदि से पैसा आएगा। ये सारे प्रावधान सुनने में अच्छे लगते हैं, लेकिन जमीन पर ये कितने उतरे हैं, इसकी हकीकत साल के आखिरी दिन हुई हड़ताल ने जाहिर कर दी। प्रधानमंत्री मोदी दावा करते हैं कि वे श्रम का सम्मान करते हैं, लेकिन ये हड़ताल कुछ और ही कहानी बयां करती है। असल में ये मोदी सरकार की नाकामी का एक और सबूत है। सरकार युवाओं को रोजगार के नाम पर पकौड़ा तलने और रील बनाने की सलाह देती है। जो लोग ये नहीं कर पा रहे, वो अब गिग वर्कर बनने पर मजबूर हैं। नीति आयोग की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे, जिनकी संख्या 2030 तक बढ़कर 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। गिग अर्थव्यवस्था में युवाओं (16 से 23 वर्ष आयु वर्ग) की भागीदारी 2019 से 2022 के बीच आठ गुना बढ़ी है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि स्थायी रोजगार न मिलने की वजह से युवा वर्ग डिलीवरी का काम करने पर मजबूर है। उसकी मजबूरी का फायदा कंपनियां उठा रही हैं। शेख़ सलाउद्दीन कहते हैं, डिलीवरी करने वाले वर्कर्स की फीस को दिन ब दिन कम किया जा रहा है। प्रति ऑर्डर पहले 80 रुपये फिर 60 रुपये और अब 10 रुपये 20 रुपये, 15 रुपये तक दे रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन कंपनियां हमें धमकी दे रही हैं। वेयरहाउस के पास बाउंसर तैनात किए जा रहे हैं और कर्मचारियों के आईडी ब्लॉक किए जा रहे हैं। अब सवाल ये है कि क्या इन कंपनियों को सरकार का बिलकुल खौफ नहीं है, जो वो डिलीवरी करने वाले कर्मियों के वेतन मनमाने तरीके से कम कर रही है, और उन्हें मजबूर कर रही है कि वो काम करें। क्या श्रम मंत्रालय भी इस इंतजार में था कि गिग वर्कर्स अपनी मांगों को सामने रखने के लिए हड़ताल करें, तब उन्हें सुना जाएगा। इस काम में जुड़े 70-80 लाख लोग अगर अपनी आजीविका और अपनी जिंदगी की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं, तो सरकार को इस बारे में पता क्यों नहीं चला। ऐसा नहीं है कि पहली बार ये हड़ताल हुई है। पिछले हफ्ते यानी 25 दिसंबर को भी ऐसी ही हड़ताल हुई थी, जिसमें पूरे देश से करीब 40 हजार कर्मचारी शामिल हुए थे, और 31 तारीख की हड़ताल में 1.5 लाख से ज्यादा कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। उनकी मांगे थीं कि एल्गोरिदम से कंट्रोल होने वाली सिस्टम में पारदर्शिता लाई जाए। सही इंसेंटिव दिए जाएं। शिकायत निवारण की अच्छी व्यवस्था हो।

2 जनवरी उनके शहादत दिवस पर विशेष

— प्रतिरोध की अमर आवाज़ सफदर हाशमी —

> "सफदर के नाटकों की भाषा सरल थी, पर उसमें गहरी वैचारिक धार थी। वे न तो जटिल प्रतीकों के बोझ तले दबे होते थे और न ही उपदेशात्मक। उनके व्यंग्य में करुणा थी और उनके प्रतिरोध में मानवीय संवेदना। वे मानते थे कि जननाट्य का उद्देश्य केवल गुस्सा पैदा करना नहीं, बल्कि चेतना जगाना है। यही कारण है कि उनके नाटक आज भी उतने ही प्रासंगिक लगते हैं।

सफदर हाशमी का जीवन भारतीय रंगमंच के इतिहास में एक ऐसे उज्ज्वल अध्याय की तरह दर्ज है, जहाँ कला, विचार और संघर्ष एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे में घुले हुए दिखाई देते हैं। वे केवल एक रंगकर्मी नहीं थे, बल्कि जनसंघर्षों की चेतना से लैस ऐसे सांस्कृतिक योद्धा थे, जिन्होंने यह सिद्ध किया कि जब कला जनता के पक्ष में खड़ी होती है, तो वह सत्ता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाती है। उनका जीवन और उनकी शहादत—दोनों इस बात के प्रमाण हैं कि सच्ची कला हमेशा असुविधाजनक होती है, क्योंकि वह प्रश्न पूछती है, चुप्पी तोड़ती है और अन्याय को बेनकाब करती है। 12 अप्रैल 1954 को दिल्ली में जन्मे सफदर हाशमी को विरासत में साहित्य और प्रगतिशील चेतना मिली। उनके पिता हामिद हाशमी उर्दू के जाने-माने प्रगतिशील कवि थे और माँ शमीम हाशमी शिक्षिका थीं। घर का वातावरण साहित्यिक बहसों, सामाजिक सरोकारों और वैचारिक प्रतिबद्धता से भरा हुआ था। यही कारण था कि सफदर बचपन से ही केवल अपने आसपास की दुनिया को देखने वाले नहीं, बल्कि उसे समझने और बदलने की आकांक्षा रखने वाले व्यक्ति बने। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से अंग्रेज़ी साहित्य की पढ़ाई के दौरान उनके भीतर रंगमंच के प्रति गहरी रुचि विकसित हुई, लेकिन यह रुचि पारंपरिक मंचीय अभिनय तक सीमित नहीं थी। सफदर ने बहुत जल्दी यह महसूस कर लिया कि सभागारों में सिमटा रंगमंच आम जनता से कटता जा रहा है। उन्हें लगने लगा कि जिस समाज में असमानता, शोषण और दमन रोज़मर्रा की सच्चाई हैं, वहाँ कला अगर केवल मनोरंजन बनकर रह जाए, तो वह अपनी सामाजिक भूमिका से विमुख हो जाती है। इसी सोच ने उन्हें जननाट्य की ओर मोड़ा। भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) से जुड़ने के बाद 1973 में वे जन नाट्य मंच—जनम—का सक्रिय हिस्सा बने और धीरे-धीरे उसकी वैचारिक दिशा के प्रमुख सूत्रधार बन गए। जनम के माध्यम से सफदर हाशमी ने नुक्कड़ नाटक को एक सशक्त राजनीतिक और सांस्कृतिक माध्यम के रूप में स्थापित किया। सड़क, चौराहा, फैक्ट्री गेट और बस्ती—यही उनका रंगमंच था। बिना मंच, बिना रोशनी और बिना परदे के खेले जाने वाले उनके नाटक सीधे जनता से संवाद करते थे। उनके लिए दर्शक कोई निष्क्रिय उपभोक्ता नहीं था, बल्कि एक सक्रिय सहभागी था, जो नाटक के सवालों से टकराता था। 'मशीन', 'हल्ला बोल', 'औरत', 'दस्तक', 'जनता पागल हो गई है' जैसे नाटकों ने श्रमिक शोषण, पूँजीवादी लूट, साम्प्रदायिकता, पितृसत्ता और राज्य के दमनकारी चरित्र को बेहद सहज लेकिन तीखे अंदाज़ में उजागर किया। सफदर हाशमी केवल रंगमंच तक सीमित नहीं थे। वे एक गंभीर लेखक और चिंतक भी थे। कला और संस्कृति पर उनके लेख यह स्पष्ट करते हैं कि वे तटस्थता को एक प्रकार की कायरता मानते थे। उनका प्रसिद्ध कथन—"संस्कृति कभी तटस्थ नहीं होती"—आज भी सांस्कृतिक विमर्श का केंद्रीय सूत्र है। उनके लिए कलाकार का दायित्व था कि वह अन्याय के विरुद्ध स्पष्ट पक्ष ले, चाहे उसकी कीमत कुछ भी हो। उनका निजी जीवन भी इसी सादगी और प्रतिबद्धता का विस्तार था। उनकी पत्नी मोलॉयश्री हाशमी स्वयं एक संवेदनशील लेखिका और सांस्कृतिक कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने सफदर के बाद जनम और सांस्कृतिक प्रतिरोध की परंपरा को आगे बढ़ाया। 1 जनवरी 1989 भारतीय सांस्कृतिक इतिहास का एक दुखद और निर्णायक दिन बन गया। ग़ाज़ियाबाद के साहिबाबाद में जनम के कलाकार 'हल्ला बोल' नाटक का मंचन कर रहे थे, जो स्थानीय राजनीतिक हिंसा और गुंडागर्दी के खिलाफ था। सत्ता-संरक्षित अपराधियों ने नाटक के दौरान हमला कर दिया। सफदर हाशमी को लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा गया और अगले दिन, 2 जनवरी 1989 को, 34 वर्ष की उम्र में उन्होंने दम तोड़ दिया। यह केवल एक कलाकार की हत्या नहीं थी, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला था। सफदर की शहादत ने पूरे देश को झकझोर दिया। कलाकारों, लेखकों और आम नागरिकों ने महसूस किया कि अगर सड़क पर सच बोलने वाला कलाकार सुरक्षित नहीं है, तो लोकतंत्र भी सुरक्षित नहीं है। उनकी हत्या के ठीक बाद उसी जगह जनम ने फिर नाटक खेला—यह घोषणा करते हुए कि विचारों को लाठियों से कुचला नहीं जा सकता। यही क्षण सफदर हाशमी को एक व्यक्ति से प्रतीक में बदल देता है—प्रतिरोध के प्रतीक में।

आज सफदर हाशमी हमारे बीच शारीरिक रूप से नहीं हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति हर उस नुक्कड़ पर महसूस की जा सकती है, जहाँ कोई कलाकार सत्ता से सवाल करता है। उनके नाम पर गठित 'सफदर हाशमी मेमोरियल ट्रस्ट' (सहमत) सांप्रदायिकता, फासीवादी प्रवृत्तियों और सांस्कृतिक दमन के विरुद्ध लगातार सक्रिय है। सफदर की विरासत यह सिखाती है कि कला का असली मूल्य उसकी बाज़ारू सफलता में नहीं, बल्कि उसकी जनपक्षधरता में है। 'मशीन', 'हल्ला बोल', 'औरत', 'दस्तक', 'जनता पागल हो गई है' जैसे नाटकों ने श्रमिक शोषण, पूँजीवादी लूट, साम्प्रदायिकता, पितृसत्ता और राज्य के दमनकारी चरित्र को बेहद सहज लेकिन तीखे अंदाज़ में उजागर किया। सफदर हाशमी केवल रंगमंच तक सीमित नहीं थे। वे एक गंभीर लेखक और चिंतक भी थे। कला और संस्कृति पर उनके लेख यह स्पष्ट करते हैं कि वे तटस्थता को एक प्रकार की कायरता मानते थे। उनका प्रसिद्ध कथन—"संस्कृति कभी तटस्थ नहीं होती"—आज भी सांस्कृतिक विमर्श का केंद्रीय सूत्र है। उनके लिए कलाकार का दायित्व था कि वह अन्याय के विरुद्ध स्पष्ट पक्ष ले, चाहे उसकी कीमत कुछ भी हो। उनका निजी जीवन भी इसी सादगी और प्रतिबद्धता का विस्तार था। उनकी पत्नी मोलॉयश्री हाशमी स्वयं एक संवेदनशील लेखिका और सांस्कृतिक कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने सफदर के बाद जनम और सांस्कृतिक प्रतिरोध की परंपरा को आगे बढ़ाया। बल्कि साहस, ईमानदारी और प्रतिबद्धता का प्रश्न भी है। सफदर हाशमी का जीवन भले ही छोटा रहा हो, लेकिन उसका प्रभाव असाधारण रूप से व्यापक है। वे आज भी हमें पुकारते हैं—अन्याय के विरुद्ध, चुप्पी के विरुद्ध और डर के विरुद्ध— हल्ला बोल।

शम्भू शरण सत्यार्थी

दुनिया के मोर्चे ...

ललित गर्ग

समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

नया साल 2026 अनेक आशाओं, अपेक्षाओं, उम्मीदों और संकल्पों के साथ हमारे सामने है। वर्ष 2025 जहाँ वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर इम्तिहान, अस्थिरता और इंतज़ार का साल रहा, वहीं 2026 से शांति, खुशहाली और प्रगति की बहाली की संभावना बनती दिख रही है। बीते वर्ष की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुरानी समस्याओं के उत्तर पुराने तरीकों से नहीं मिल सकते। इसलिए 2026 में हमें बीते बस के सवालों के जवाब नए वक्त, नई सोच और नए विवेक में ढूंढने होंगे। यह वर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और प्राथमिकताओं के पुनर्निर्धारण का अवसर है। यह वर्ष समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष बने, इसके लिये हमें तत्पर होना होगा, तैयारी करनी होगी। दुनिया के मोर्चे पर देखें तो रूस-यूक्रेन और इज़राइल-फ़िलिस्तीन के युद्धों के अतिरिक्त भी कम-से-कम दस बड़े संघर्ष ऐसे हैं, जहाँ मानवता निरंतर घायल हो रही है। आतंकवाद, नस्ली विद्वेष, धार्मिक कट्टरता और सत्ता-लिप्सा ने इंसानी खून को सस्ता बना दिया है। वर्ष 2025 में यह रक्तपात थमा नहीं, पर नए साल में इन युद्धों, संघर्षों और आतंकवादी हरकतों से मुक्ति की आकांक्षा केवल भावनात्मक कामना नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिकता की अनिवार्यता बननी चाहिए। भारत, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश विश्व को दिया है, शांति और संवाद की इस वैश्विक पहल में एक बार फिर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्ष में दुनिया को जता दिये है कि वे वैश्विक नेतृत्व करने एवं दुनिया को उन्नत बनाने की भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत की अहिंसक सोच, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति एवं सकारात्मक मानवीय नजरिया दुनिया के लिये उपयोगी हो सकता है। भारत के लिए 2026 कई अर्थों में निर्णायक वर्ष है। आंतरिक राजनीतिक चुनौतियाँ हों या वैश्विक

दबाव, नए साल में हमें कड़वे और कभी-कभी हिंसक अनुभवों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद बीते वर्षों की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, अहिंसा, सौहार्द और सद्भावना के दीप जलाने का संकल्प दोहराएगा। प्रधानमंत्री का यह कथन विशेष अर्थ रखता है कि जहाँ 2025 सुधारों की बात अर्थात भारत के रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार रहने का वर्ष था, वहीं 2026 से 2047 तक का कालखंड भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। यह यात्रा केवल आर्थिक आँकड़ों की नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता की भी है। विभिन्न क्षेत्रों में किये जाने वाले सुधारों को प्रभावी बनाने के लिये यह अनिवार्य है कि राजनीति की ही भांति नौकरशाही के प्रत्येक स्तर पर सुधार हो। यह ठीक है कि केन्द्र सरकार से जुड़ी उच्च स्तर की नौकरशाही में बीते वर्षों में व्यापक बदलाव हुए है, लेकिन निचले स्तर पर उसका तौर-तरीका जस का तस है। सबसे चिन्ताजनक है कि नौकरशाही का भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कारण अनेक कार्य-योजनाओं का जैसा परिणाम आना चाहिए वैसा नहीं आ रहा है। हालाँकि, यह स्वीकार करना होगा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक मूल्यों में गिरावट को लेकर जो वातावरण बन रहा है, उसे गंभीरता से लेना आवश्यक है। लोकतंत्र केवल चुनावों का आयोजन भर नहीं है; यह संवाद, असहमति के सम्मान, संस्थाओं की गरिमा और संविधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है, पर पिछले वर्षों में संसद की कार्रवाई का बार-बार अवरोधित होना, हंगामे और गतिरोध लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं। नए साल में यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि संसद अवरोध का मंच नहीं, बल्कि समाधान और विमर्श का केंद्र बने। सत्ता और विपक्ष-दोनों की यह साझा जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय हितों को दलगत राजनीति से ऊपर रखें। लोकतांत्रिक प्रणाली को एक नई ऊँचाई पर ले जाने के लिए राजनीतिक मूल्यों का पुनर्जागरण आवश्यक है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिकता और जन-सरोकार-इन चार स्तंभों पर ही सशक्त लोकतंत्र खड़ा होता है। 2026 में राजनीति को केवल सत्ता-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, बल्कि लोक-सेवा का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। यदि राजनीति आम आदमी के दुःख-दर्द, रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ती है, तभी लोकतंत्र में जनता का विश्वास मजबूत होगा। नया साल आम आदमी के जीवन में रोशनी बनकर आए-यह तभी संभव है जब हम समस्याओं का रोना रोने के बजाय समाधान की संस्कृति विकसित करें। महँगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक विषमता और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ केवल सरकारी घोषणाओं से नहीं सुलझेंगी; इनके लिए सामूहिक संकल्प और सहभागिता चाहिए। भारत की जनता में यह सामर्थ्य है कि वह झूठ को पहचानती है, सज्जनता को स्वीकार करती है और इंसानियत के मायने जानती है।

दिसंबर 2024 ...

डा.वेदप्रकाश

पर्यावरणीय घटकों को बचाने का संकल्प लें

वर्ष 2026 नव संकल्पों से आरंभ होना चाहिए। वैसे तो जब भी व्यक्ति कुछ सकारात्मक और नया करने की ओर बढ़ जाए, वहीं से नया वर्ष या नए का आरंभ हो जाता है। यदि हमारा जीवन ही खतरे में है तो फिर कैसा उल्लास? कैसा नववर्ष? अंग्रेजी नववर्ष के आरंभ में क्या आज से ही हम पर्यावरणीय घटकों को बचाने का संकल्प ले सकते हैं? क्या आज ही एक पौधा लगाकर हम इस दिशा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं? हमारा यह छोटा सा संकल्प बड़े परिवर्तन का कारण बन सकता है। प्रकृति-पर्यावरण भयंकर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। सांस लेना कठिन है, फिर ऐसे में उल्लास के साथ चिंतन करते हुए संकल्प की ओर बढ़ना ही उचित है। जल, वायु , नदियां, समुद्र, धरती, पहाड़, जंगल, ग्लेशियर, विभिन्न जीव जंतु और वनस्पतियां आदि पर्यावरणीय घटक हैं। ये विभिन्न घटक आज गंभीर प्रदूषण की गिरफ्त में है अथवा अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं। परिणामस्वरूप इन घटकों का विकृत होना अथवा असंतुलित होना मानव सहित समूची जीव सृष्टि के लिए खतरा बनता जा रहा है। अब यह खतरा प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। विगत लंबे समय से दिल्ली एनसीआर की हवा गंभीर और बेहद गंभीर श्रेणी में चल रही है। घरों से निकलना मुश्किल है। इससे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिकी पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। यूके स्थित भारतवंशी डाक्टरों ने वायु प्रदूषण को कोरोना महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बताया है। दिल्ली एनसीआर में सांस की बीमारियों से जूझ रहे लोगों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक आयु वर्ग के लोग

सिर दर्द,थकान, हृदय रोग, खांसी, बुखार, गले में जलन, आंखों में जलन और सूखापन, त्वचा के रोग व बार-बार संक्रमण जैसी परेशानियों से जूझ रहे हैं। प्रदूषण की अधिकता ने हवा को जहरीला बना दिया है। वाहनों, उद्योगों और विद्युत संयंत्रों की धुल, धुआं व घातक रसायन जीवन पर भारी पड़ रहे हैं। सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर की नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश के करीब 78 प्रतिशत ताप बिजली संयंत्रों में सल्फर डाइआक्साइड को नियंत्रित करने की प्रणाली नहीं है और प्रदूषण फैलाने में ताप बिजली संयंत्रों की बड़ी जिम्मेदारी है। क्या इन्हें मानकों के अनुरूप संचालित करना शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है? गंगा, यमुना, हिंडन, काली आदि सैकड़ों नदियां भयंकर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। महानगरों का अशोधित सीवेज और औद्योगिक कचरा सीधे नदियों में गिर रहा है। विडंबना यह भी है कि विभिन्न प्रदेशों में सीवेज शोधन हेतु एसटीपी पर्याप्त संख्या में नहीं हैं। जितने हैं वे भी समुचित रूप में काम नहीं कर रहे हैं। शासन- प्रशासन की सुस्ती से यह स्थिति और भी चिंताजनक बनती जा रही है।

जरा हटके

भारतीय संदर्भ में ...

ललित गर्ग

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी समारोह, 'शान्ति में एक दिन' से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत्-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है। इस दिवस की शुरुआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरुआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में 'वन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे

दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरुआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया। प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है।

वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है। दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है। दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम "परिवार, शिक्षा और कल्याणः आज और भविष्य" इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है। वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं।

अनुष्का शर्मा के साथ नए साल 2026 में एंट्री, चेहरे पर स्पाइडरमैन-स्टाइल मास्क की फोटो शेयर की

विराट कोहली का न्यू ईयर सेलिब्रेशन

मुबंई ,एजेंसी

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने नए साल 2026 की शुरुआत पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर दोनों की एक फोटो शेयर करते हुए लिखा कि वह "मेरी जिंदगी की रोशनी" के साथ नए साल में कदम रख रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई फोटो में विराट और अनुष्का दोनों मास्क पहने नजर आ रहे हैं। विराट ने स्पाइडर-मैन स्टाइल मास्क लगाया हुआ है। यह फोटो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रही है। क्रिकेट मैदान पर वापसी से पहले विराट इन दिनों परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी और इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में एक्शन में लौटना है। क्रिकेट से कुछ समय का ब्रेक लेकर विराट इन दिनों परिवार के साथ वक्त बिता रहे हैं। हालांकि जल्द ही वह एक बार फिर मैदान पर वापसी करने वाले हैं। उन्हें पहले विजय हजारे ट्रॉफी और इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते हुए देखा जाएगा।

> इस दौरान विराट ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया और यह उपलब्धि सबसे तेजी से हासिल करने वाले बल्लेबाज बने। इस मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज में भी विराट का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने दो शतक और एक अर्धशतक की मदद से भारत को 2-1 से सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई।

केवल वनडे फॉर्मेट में खेल रहे हैं विराट

टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेल रहे हैं। 37 साल के कोहली ने 15 साल बाद भारत की प्रमुख घरेलू वनडे प्रतियोगिता विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी करते हुए लगातार दो पारियों में 131 और 77 रन बनाए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज

भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज की तैयारी में जुटेगी। टीम 8 जनवरी को वडोदरा में एकत्र होगी। सीरीज का पहला मैच 11 जनवरी को वडोदरा, दूसरा 14 जनवरी को राजकोट और तीसरा 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा। इसके बाद 21 से 31 जनवरी के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज होगी। विराट ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया।

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट आंशिक रूप से लागू

नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और ट्रिब्यूनल की तैयारी शुरू

मुबंई, एजेंसी

देश में खेल प्रशासन से जुड़ा नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट गुरुवार से आंशिक रूप से लागू हो गया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने उन प्रावधानों को लागू कर दिया है, जिनसे नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड (NSB) और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल (NST) के गठन की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। यह कानून पिछले साल 18 अगस्त को अधिसूचित किया गया था और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा खेल सुधार बताया था। इस बिल को 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया गया और 11 अगस्त को इसे वहां पारित कर दिया गया। इससे एक दिन बाद राज्यसभा ने दो घंटे से ज्यादा समय तक चली चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया था। नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 से हुई थी। लेकिन हर बार राजनीतिक कारणों के चलते यह बिल कभी संसद नहीं जा पाया था। नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड (NSB) और नेशनल

स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल (NST) का गठन भी आंशिक रूप से लागू होने के साथ शुरू हो जाएगा। NSB में एक चेयरपर्सन और सदस्य होंगे जिन्हें केंद्र सरकार नियुक्त करेगी, जिनके पास पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, स्पोर्ट्स गवर्नेंस, स्पोर्ट्स लॉ और दूसरे संबंधित क्षेत्रों में खास जानकारी या प्रैक्टिकल अनुभव हो। ये नियुक्तियां एक सर्च-कम-सिलेक्शन कमेटी की सिफारिशों के आधार पर की जाएंगी। मंत्रालय ने कहा, एक्ट को धीरे-धीरे लागू करने का मकसद कानूनी स्पोर्ट्स गवर्नेंस फ्रेमवर्क में आसानी से बदलाव सुनिश्चित करना है।

फास्ट न्यूज

स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने जनवरी-मार्च (Q4FY26) तिमाही के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स जैसे- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF), पोस्ट ऑफिस FD, सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) और नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (NSC) के ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। बुधवार (31 दिसंबर) को वित्त मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी यह लगातार 8वीं तिमाही है।

ई-कॉमर्स ड्रापशिपिंग के नाम पर 1.5 करोड़ का चिटफंड घोटाला

गोरखपुर। ई-कामर्स ड्रापशिपिंग और नेटवर्किंग के नाम पर फर्जी चिटफंड कंपनी खोलकर जालसाने ने 1.50 करोड़ रुपये हड़प लिए। निवेशकों को 90 दिन में नौ प्रतिशत व्याज देने का झांसा देकर रुपये जमा कराता था। शिक्षक पत्नी और बेटे के नाम से कंपनी खोली थी। अब कंपनी बंद कर फरार हो गया। देवरिया के गौरीबाजार थाना निवासी प्रभु नाथ गुप्ता ने कोतवाली थाने में तहरीर दी। बताया कि उसके भी 77 लाख रुपये हड़पे है। प्रभू नाथ गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2023 में उनकी मुलाकात सनड्रापशीप रिसेलर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के संचालक सुनील सिंह से हुई, जो अपनी पत्नी बीना सिंह, पुत्र-पुत्री, निदेशक अरविन्द कुमार डीन और वरिष्ठ एडवाइजर अहमद अली के साथ मिलकर कंपनी चला रहा था।

आईआरईडीए के लोन डिस्ट्रीब्यूशन में 44% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (IREDA Share Price) का शेयर गुरुवार 1 जनवरी को फोकस में रहेगा, क्योंकि कंपनी ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए अपना बिजनेस डेटा जारी किया है। बुधवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग में, साल-दर-साल आधार पर 29% बढ़कर 40,100 करोड़ हो गए हैं।

रणवीर की फिल्म धुरंधर के दो शब्द किए गए म्यूट

फिल्म का नया वर्जन आज से थिएटर में दिखाया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर के रिलीज को लगभग एक महीना होने जा रहा है। फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। लेकिन अब एक महीने बाद फिल्म में कुछ बदलाव किए गए हैं। ये बदलाव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की तरफ से मिले निर्देश के बाद हुए हैं। दरअसल, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने फिल्म में दो शब्द को म्यूट करने और एक डायलॉग में बदलाव करने कहा था, जिसके बाद न्यू एडिटेड वर्जन को 1 जनवरी यानी आज से वर्ल्डवाइड थिएटर में दिखाया जाएगा। बॉलीवुड हंगामा ने अपनी रिपोर्ट में सोर्स के हवाले से लिखा- 'देश भर के सिनेमाघरों को 31 दिसंबर को डिस्ट्रीब्यूटर की तरफ से एक ईमेल मिला, जिसमें उन्हें सूचित किया गया कि वे फिल्म के डीसीपी को बदल रहे हैं। इस बदलाव का कारण यह है कि फिल्ममेकर्स ने सूचना एवं प्रसारण

मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार फिल्म में दो शब्दों को म्यूट कर दिया है और एक डायलॉग में बदलाव किया है।' सोर्स ने ये भी बताया कि म्यूट किए गए शब्दों में से एक बलूच शब्द शामिल है। बता दें कि डायरेक्टर आदित्य धर की ये फिल्म 5 दिसंबर को वर्ल्ड वाइड रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त, राकेश बेदी, दानिश पंडोर जैसे कलाकारों ने काम किया है।

नए साल पर संदीप रेड्डी वांगा का फैंस को तोहफा, इंटेंस लुक में नजर आए दोनों एक्टर

प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर 'स्पिरिट' का फर्स्ट लुक रिवील

मुंबई, एजेंसी

नए साल 2026 की शुरुआत के साथ ही फिल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा ने अपने फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें पहली बार सुपरस्टार प्रभास और अभिनेत्री तृप्ति डिमरी का दमदार और इंटेंस अवतार देखने को मिला है। पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल तेज हो गई है और फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ऑफिशियल पोस्टर शेयर करते हुए फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दीं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, "भारतीय सिनेमा... अपने अजनुबाहू/अजनुबहू को देखें।" उनके इस संदेश ने फिल्म के टाइटल और किरदारों को लेकर दर्शकों की

उत्सुकता और बढ़ा दी है। फिल्म को लेकर एक और बड़ी चर्चा यह है कि शुरुआत में संदीप रेड्डी वांगा इस प्रोजेक्ट के लिए अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को कास्ट करना चाहते थे। हालांकि, सितंबर 2024 में मां बनने के बाद दीपिका ने अपने काम के घंटों को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं। उन्होंने आठ घंटे की शिफ्ट, हफ्ते में केवल पांच दिन काम और ज्यादा फीस की मांग की थी। बताया जाता है कि दीपिका की इन शर्तों से संदीप रेड्डी वांगा खुश नहीं थे। उन्होंने इन मांगों को अनप्रोफेशनल बताते हुए फिल्म में तृप्ति डिमरी को कास्ट करने का फैसला लिया।

तृप्ति डिमरी का शांत लेकिन मजबूत किरदार

वहीं, तृप्ति डिमरी हल्के ग्रे रंग की साड़ी में प्रभास के बेहद करीब खड़ी नजर आ रही हैं। वह प्रभास की सिगरेट जलाती दिखाई दे रही हैं। तृप्ति के चेहरे पर शांति और गंभीरता साफ झलकती है, जो उनके किरदार की गहराई और मजबूती की ओर इशारा करती है। पोस्टर में दोनों के बीच की केमिस्ट्री और माहौल फिल्म की कहानी को लेकर कई सवाल खड़े करता है।

पोस्टर में दिखा प्रभास का रॉ और डार्क अवतार

रिलीज किए गए पोस्टर में प्रभास और तृप्ति डिमरी एक खिड़की के पास खड़े नजर आ रहे हैं। प्रभास लंबे बाल, घनी दाढ़ी और मूंछों के साथ शर्टलेस दिखाई दे रहे हैं। उनके शरीर पर चोटों के निशान साफ नजर आते हैं और कंधे, बाजू व पीठ पर पट्टियां बंधी हुई हैं। प्रभास के होठों के बीच सिगरेट है, जबकि एक हाथ में शराब का गिलास पकड़े हुए वह बेहद गंभीर और रॉ लुक में दिख रहे हैं। उनका यह अंदाज़ फिल्म के इंटेंस और हिंसक टोन की झलक देता है।

> फिल्म के मेकर्स ने भी पोस्टर शेयर करते हुए लिखा कि नए साल का स्वागत जोश और जुनून से भरी 'स्पिरिट' के पहले पोस्टर के साथ किया जा रहा है। कैप्शन में कहा गया, "आपने जो जाना-पहचाना है, उसे पहले ही पसंद किया। अब उन चीजों से प्यार करें, जिनके अस्तित्व के बारे में आपने कभी नहीं सोचा था।" यह लाइन साफ संकेत देती है कि फिल्म एक अलग और बेबाक अंदाज़ में कहानी पेश करने वाली है।

पीएम भी परेशान, 90 साल पहले बनी बिल्डिंग, तब महिलाओं को वोटिंग राइट्स नहीं था

जापानी संसद में 73 महिला सांसदों के लिए 1 टॉयलेट

टोक्यो, एजेंसी

जापान में पीएम साने ताकाइची ने संसद में महिलाओं के लिए ज्यादा टॉयलेट बनाने की मांग की है। उनके साथ ही करीब 60 महिला सांसदों ने भी इसे लेकर एक याचिका दी है। याचिका में कहा गया है कि संसद में महिलाओं की संख्या बढ़ी है, लेकिन इस मुताबिक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। अभी संसद के निचले सदन में 73 महिला सांसद हैं लेकिन उनके लिए सिर्फ 1 टॉयलेट है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद यासुको कोमियामा ने कहा कि संसद सत्र के दौरान महिला सांसदों को टॉयलेट के बाहर लंबी लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। जापान की संसद (डाइट) की इमारत 1936 में बनी थी। तब देश में महिलाओं को वोट देने का भी अधिकार नहीं मिला था। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद दिसंबर 1945 में

महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला। एक साल बाद 1946 में हुए चुनाव में जापान में महिलाएं संसद के लिए चुनकर आईं। जापान अखबार यॉमियूरी शिंबुन के मुताबिक संसद के निचले सदन की इमारत में पुरुषों के लिए 12 टॉयलेट (67 स्टॉल) हैं, जबकि महिलाओं के लिए सिर्फ 9 टॉयलेट, जिनमें कुल 22 क्यूबिकल हैं। मेन प्लेनरी सेशन हॉल जहां संसद की कार्यवाही होती है, वहां पर महिलाओं के लिए सिर्फ 1 टॉयलेट है।

जेंडर गैप रिपोर्ट में जापान की रैंकिंग बहुत नीचे

इस साल वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में जापान 148 देशों में 118वें स्थान पर रहा। महिलाओं की भागीदारी कारोबार और मीडिया में काफी कम है। चुनावों के दौरान महिला उम्मीदवारों का कहना है कि उन्हें अक्सर सेक्सिस्ट टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि उन्हें कहा जाता है कि उन्हें राजनीति की जगह घर में बच्चों की देखभाल करनी चाहिए। फिलहाल निचली सदन के 465 सांसदों में से 72 महिलाएं हैं, जो पिछली संसद में 45 थीं। ऊपरी सदन में 248 में से 74 सदस्य महिलाएं हैं। सरकार का लक्ष्य है कि संसद की कम से कम 30% सीटों पर महिलाएं हों।

भारतवंशी जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बने

कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली, न्यूयॉर्क के इतिहास में ऐसा पहली बार

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारतीय मूल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कुरान पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। अब तक न्यूयॉर्क सिटी के अधिकतर मेयर बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते रहे हैं। हालांकि संविधान के तहत शपथ के लिए किसी धार्मिक ग्रंथ का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं है। 34 साल के डेमोक्रेट ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम, पहले दक्षिण एशियाई और पहले अफ्रीका में जन्मे मेयर हैं। ममदानी ने न्यूयॉर्क के सिटी हॉल के नीचे स्थित एक बंद पड़े सबवे स्टेशन में शपथ ली। यह एक प्राइवेट समारोह था, जिसमें ममदानी का परिवार शामिल हुआ। इसके बाद दोपहर में एक सार्वजनिक शपथ ग्रहण समारोह होगा। ममदानी ने दो कुरानों पर हाथ रख कर शपथ ली। इनमें एक उनके दादा की

कुरान और दूसरी जेब में रखी जाने वाली छोटी कुरान थी। कहा जा रहा है कि पॉकेट साइज कुरान 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की की है। यह कुरान न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी के शॉम्बर्ग सेंटर फॉर रिसर्च इन ब्लैक कल्चर के संग्रह का हिस्सा है। दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में ममदानी अपने दादा और दादी, दोनों की कुरानों का इस्तेमाल करेंगे। इन कुरानों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। शपथ ग्रहण के लिए कुरान का चयन ममदानी की पत्नी रमा दुवाजी ने किया है। इस काम में उनकी मदद करने वाली एक स्कॉलर के अनुसार, शपथ के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ये कुरान शहर की बड़ी और लंबे समय से मौजूद मुस्लिम आबादी को दर्शाता है। बता दें कि चुनाव अभियान के दौरान ममदानी ने महंगाई को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साथ ही उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास भी खुलकर सामने रखे। उन्होंने शहर के मस्जिदों का दौरा किया और पहली बार मतदान करने वाले कई दक्षिण एशियाई और मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल किया। शॉम्बर्ग सेंटर में मौजूद पॉकेट साइज कुरान अश्वेत प्यूर्टो रिकन इतिहासकार आर्तुरो शॉम्बर्ग के संग्रह का हिस्सा थी। यह स्पष्ट नहीं है कि यह कुरान ममदानी के पास कैसे पहुंची, लेकिन स्कॉलर्स का मानना है कि यह अमेरिका और अफ्रीका में इस्लाम और अश्वेत संस्कृतियों के ऐतिहासिक संबंधों में उनकी रुचि को दर्शाती है।

झटका : सरकार ने सेस हटाकर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई, राजस्व घाटे की भरपाई के लिए फैसला

फरवरी से ₹15 वाली सिगरेट ₹18 की हो सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी

अगले महीने से सिगरेट की कीमतें 20% तक बढ़ सकती है। इसकी वजह है सरकार की ओर से लगाई गई एक्साइज ड्यूटी। इसे लेकर 31 दिसंबर को एक नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके मुताबिक 1 फरवरी 2026 से सिगरेट की प्रति 1,000 स्टिक्स पर 2,050 रुपए से लेकर 8,500 रुपए तक की ड्यूटी ली जाएगी। बाजार जानकारों का कहना है कि टैक्स के इस बोझ को कम करने के लिए कंपनियां सिगरेट की कीमतें बढ़ा सकती है। मान लीजिए एक सिगरेट की स्टिक पर पहले कुल टैक्स (GST+Cess) 6 था। अब सेस खत्म हुआ (-2) लेकिन नई एक्साइज ड्यूटी लग गई (+4)। अब कुल टैक्स 8 हो गया। यानी टैक्स में 2 की बढ़ोतरी हुई, जिसके कारण 15 वाली सिगरेट 17 या 18 की हो जाएगी। टैक्स बढ़ने की खबर का असर शेयर बाजार पर भी दिखा। देश की सबसे बड़ी सिगरेट कंपनी ITC के शेयर आज 10% तक टूट

गए। साल 2020 के बाद यह कंपनी के शेयरों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। वहीं, मार्सबोरो जैसे ब्रांड बेचने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स के शेयर भी 17.6% तक लुढ़क गए। निवेशकों को डर है कि कीमतें बढ़ने से सिगरेट की बिक्री (वॉल्यूम) में कमी आएगी। यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन के मुताबिक, सिगरेट पीने से लोगों की लाइफ एक्सपेक्टेंसी तेजी से घट रही है। एक सिगरेट पीने से जिंदगी के 20 मिनट कम हो रहे हैं। वहीं अगर कोई 10 साल तक रोज 10 सिगरेट पी रहा है तो इसका मतलब है कि उसकी जिंदगी के 500 दिन कम हो गए हैं।

सिगरेट के दाम क्यो बढ़ सकते हैं, 2 कारण

1. ज्यादा एक्साइज ड्यूटीः सरकार ने जो एक्साइज ड्यूटी लगाई है, वह पुराने सेस के मुकाबले ज्यादा है। सरल शब्दों में कहे तो अगर सरकार ने आपका 5 का सेस खत्म किया है, तो उसकी जगह 8 की एक्साइज ड्यूटी लगा दी है। यानी टैक्स का 'नेट' बोझ कम होने के बजाय बढ़ गया है।
2. 'डबल टैक्स' का असरः एक्साइज ड्यूटी मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में जुड़ती है। जब सिगरेट फैक्ट्री से निकलती है, तो उस पर एक्साइज लग चुका होता है। इसके बाद जब उस पर GST लगाया जाता है, तो वह 'बढ़ी हुई कीमत' (जिसमें एक्साइज शामिल है) पर लगता है। इससे 'टैक्स पर टैक्स' की स्थिति बनती है और फाइनल एमआरपी (MRP) बढ़ जाती है।

सरकार ने सेस खत्म हुआ, तो ड्यूटी बढ़ा दी

सिगरेट पर अभी तक 28% GST के साथ 'कंपनसेशन सेस' लगता था। इससे कुल टैक्स 50% से ज्यादा हो जाता था। 3 सितंबर को किए गए बदलाव के बाद सिगरेट पर GST को बढ़ाकर 40% कर दिया गया, लेकिन सेस हटा दिया। नई दरें फरवरी 2026 से लागू होंगी। अगर सरकार एक्साइज को लेकर कुछ नहीं करती, तो सिगरेट सस्ती हो जाती। नई दरें 2,050 से लेकर 8,500 प्रति 1,000 सिगरेट तय की गई हैं, जो पुराने टैक्स के मुकाबले काफी ज्यादा हैं।

सोना और चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन गिरावट

चांदी की कीमत ₹2,520 कम होकर ₹2,27,900 पर आई

मुंबई, एजेंसी

नए साल के पहले दिन आज यानी 1 जनवरी 2026 को सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 44 रुपए गिरकर 1,33,151 रुपए पर आ गया है। कल यह 1,33,195 रुपए/10g पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,520 रुपए कम होकर 2,27,900 रुपए पर आ गई है। कल इसकी कीमत 2,30,420 रुपए किलो थी। आज लगातार तीसरा दिन है जब सोने चांदी के दाम में गिरावट है। इससे पहले 29 दिसंबर को कारोबार के दौरान सोने की कीमत 1,38,161 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की 2,43,483 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थी। ये दोनों का अब तक का सबसे ज्यादा भाव

यानी ऑल टाइम हाई रेट है। पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई। IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि चांदी की डिमांड में अभी तेजी है जिसके आगे भी बने रहने का अनुमान है। ऐसे में चांदी अगले 1 साल में 2.75 लाख तक जा सकती है। वहीं इस साल के आखिर तक चांदी की कीमत 2.10 लाख रुपए किलो पहुंच सकती है। वहीं अगर सोने के बात करें इसकी डिमांड में भी तेजी बनी हुई।

सेंसेक्स 150 अंक चढ़कर 85,350 पर कारोबार कर रहा

मुंबई। साल के पहले दिन आज यानी गुरुवार 1 जनवरी 2026 को शेयर बाजार में तेजी है। सेंसेक्स 150 अंक चढ़कर 85,350 के ऊपर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 50 अंक की तेजी है, ये 26,170 के स्तर पर है। सेंसेक्स के 30 में से 15 शेयरों में तेजी है। निफ्टी के 50 में से 26 शेयर्स चढ़े हैं। NSE के मीडिया, ऑटो और मेटल शेयरों में तेजी है। FMCG, फार्मा और बैंकिंग शेयरों में गिरावट है। साल के आखिरी दिन यानी आज, 31 दिसंबर को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 546 अंक चढ़कर 85,221 पर बंद हुआ। निफ्टी में 191 अंक की तेजी रही, ये 26,130 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयरों में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 44 चढ़कर बंद हुए। आज बैंकिंग, मेटल, एनर्जी और FMCG शेयर्स में ज्यादा बढ़त रही। 31 दिसंबर को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 3,597.38 करोड़ के शेयर बेचे और घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 6,759.64 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे। दिसंबर में 31 तारीख तक FIIs ने कुल 34,349.62 करोड़ के शेयर्स बेचे।

नए साल पर लखनऊ में बनेंगे ढाई लाख घर

शुरू होगा 130 करोड़ रुपए से बना ग्रीन कॉरिडोर फेज-2, आसान होगा सफर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। नए साल की शुरुआत लखनऊ के लिए बड़ी सौगात लेकर आ रही है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) अपनी चार आवासीय योजनाओं को लॉन्च करेगा। इसमें करीब ढाई लाख आवास बनेंगे। इन्हें प्राधिकरण लॉटरी के जरिए बेचेगा। इसको लेकर अफसरों ने तैयारियां शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर ग्रीन कॉरिडोर के जरिए ट्रैफिक जाम से राहत और सफर को तेज बनाया जाएगा। इन योजनाओं का उद्देश्य आवास, रोजगार और यातायात तीनों क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित करना है। सुल्तानपुर रोड पर विकसित होने वाली वेलनेस सिटी का कुल क्षेत्रफल 1197.98 एकड़ होगा। इसमें बक्कास, मलूकपुर ढकवा, चौरहिया, चौरासी, दुलारमऊ, नूरपुर, बेहटा और मस्तेमऊ गांव शामिल हैं। इस योजना की खासियत हेल्थ और वेलनेस पर विशेष फोकस है। यहां आधुनिक अस्पताल, वेलनेस सेंटर, योग केंद्र, ग्रीन जोन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाली सुविधाएं विकसित की जाएंगी। वेलनेस सिटी के भविष्य में एक प्रमुख हेल्थ हब के रूप में उभरने की संभावना है। वेलनेस सिटी और आईटी सिटी में लैंड पूलिंग सिस्टम के तहत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है।

आईटी सिटी: लखनऊ बनेगा उत्तर भारत का आईटी हब

सुल्तानपुर रोड पर प्रस्तावित आईटी सिटी का क्षेत्रफल 1710.24 एकड़ होगा। यह योजना सोनई कंजेहरा, सिकंदरपुर अमौलिया, सिद्धपुरा, परेहटा, पहाड़नगर टिकरिया, बक्कास, रकीबाबाद, भटवारा, खुजौली और मोहारी खुर्द गांवों में फैली होगी। यहां आईटी पार्क, बिजनेस हब और हाई-टेक इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा, जिससे लखनऊ को आईटी और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। इससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

वरुण विहार: एक्सप्रेसवे के पास आधुनिक टाउनशिप

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के पास विकसित की जाने वाली वरुण विहार योजना लगभग 2664 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली होगी। इसमें भलिया, आदमपुर इंदवारा, बहरू, जलियामऊ, मंदारपुर, इब्राहिमगंज, नकटौरा, गहलवारा, तेजकृष्ण खेड़ा, रेवरी और सकरा गांव शामिल हैं। इस योजना में आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक विकास का समन्वय होगा। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते यह क्षेत्र भविष्य में एक बड़ा रियल एस्टेट और बिजनेस हब बनेगा।

नैमिष नगर: सीतापुर रोड पर नया रिहायशी विकल्प

सीतापुर रोड पर प्रस्तावित नैमिष नगर योजना का क्षेत्रफल 1084 हेक्टेयर होगा। इसमें भौली, लक्ष्मीपुर, पूरब गांव, पुरवा, सैरपुर, फर्रुखाबाद, कीड़ी भौली, कमलाबाद, कमलापुर, पलहरी, गोपरामऊ, बारूमऊ, धतिंगरा, सैदापुर, पश्चिम गांव, धोबैला, उमरभारी और दुग्गौर गांव शामिल हैं। यह योजना टाउनशिप मॉडल पर आधारित होगी, जिसमें स्कूल, पार्क, कम्युनिटी सेंटर और अन्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के लिए किफायती आवास का बेहतर विकल्प बनेगी।

मोबाइल शॉप में लगी भीषण आग

लखनऊ। न्यू ईयर के आखिरी दिन लखनऊ के नाका हिंडोला इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आर्य नगर स्थित एक गोदाम में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई, जिसके बाद गोदाम से धुंए का गुबार उठने लगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। धुआं उठता देख आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। आग नाका हिंडोला क्षेत्र में स्थित बंसल मोबाइल की दुकान और गोदाम में लगी है। बंसल मोबाइल इलाके में मोबाइल फोन के बड़े होलसेल सप्लायर के रूप में जाना जाता है। गोदाम के ऊपर बने हिस्से से लगातार धुआं निकलता रहा, जिससे नुकसान की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। नाका हिंडोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को घेराबंदी कर सुरक्षित कराया। किसी के अंदर फंसे होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने आसपास के लोगों को दूर हटाया।

नए साल पर आनंदेश्वर मंदिर में लंबी लाइन

जलाभिषेक के लिए 3 घंटे का इंतजार, पनकी और परमट में जयकारे गूंजे

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। नए साल 2026 के पहले दिन कानपुर के मंदिरों में लंबी लाइन है। आनंदेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के लिए सुबह 500 मीटर से ज्यादा लंबी लाइन रही। श्रद्धालुओं को बाबा के स्पर्श दर्शन के लिए 3 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा। शहर के तमाम प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, वहीं घूमने-फिरने के लोकप्रिय स्थलों पर भी उमड़ी भीड़ से उत्सव का माहौल बना दिया। पनकी स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में सुबह से अपने आराध्य के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी है। मंदिर के गेट से सैकड़ों लोग लाइन में लगकर भगवान का दर्शन कर नए साल के बेहतर बीतने की कामना कर रहे हैं। पूरा मंदिर परिसर जय जय श्री राम के जयकारों से गूंज रहा है। महंत कृष्णदास ने बताया कि मंदिर के पट रात 10 बजे तक खुले रहेंगे। नए साल पर आनंदेश्वर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जहां लंबी-लंबी कतारों में खड़े भक्तों ने दर्शन किए और मंदिर परिसर में बम बम भोले के जय घोष से माहौल भक्तिमय हो उठा।

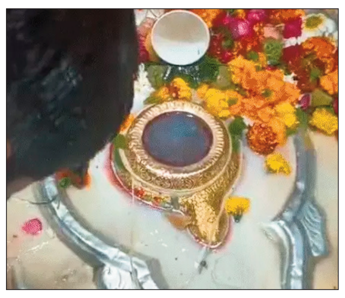

- आनंदेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के लिए सुबह 6 किमी लंबी लाइन रही।
- जाजमऊ स्थित सिद्धनाथ मंदिर में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए भारी भीड़ है।

फास्ट न्यूज

'केजीएमयू डॉक्टर ने शादी का झांसा देकर संबंध बनाए'

लखनऊ। लखनऊ KGMU में नर्सिंग छात्रा ने इंटर्न डॉक्टर पर शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप लगाया है। छात्रा ने आरोपी डॉ. मोहम्मद आदिल के खिलाफ FIR कराई है। पीड़िता ने इसमें बताया कि डॉक्टर ने उससे शादी का वादा किया। इसके बाद फ्लैट पर बुलाकर कई बार उसके साथ संबंध बनाए।

नव वर्ष पर लोधेश्वर धाम में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़

बाराबंकी। बाराबंकी की रामनगर तहसील में स्थित सुप्रसिद्ध श्री लोधेश्वर महादेव धाम में नव वर्ष के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। भोर में सुबह 4 बजे से ही मंदिर के गर्भगृह में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने 'बम बम भोले' और 'हर हर महादेव' के जयघोष के साथ कतारबद्ध होकर लोधेश्वर महादेव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। वे अपने साथ बेलपत्र, भांग, धतूरा, दूध, दही और सुगंधित पुष्प लेकर पहुंचे। यह क्रम सुबह से दोपहर तक निरंतर जारी रहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। महादेवा चौकी इंचार्ज अभिनंदन पांडे ने बताया कि मंदिर परिसर और आसपास तीन दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। फायर ब्रिगेड और अग्निशमन की टीम भी मौके पर मौजूद रही।

गाजीपुर पुलिस ने 957 गुमशुदा मोबाइल बरामद किए

गाजीपुर। गाजीपुर पुलिस की सर्विलांस टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 957 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 62 लाख रुपए आंकी गई है। यह बरामदगी 1 जनवरी 2026 को चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत की गई, जो गुमशुदा मोबाइल से संबंधित प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर आधारित थी। का उपयोग करके विभिन्न कंपनियों के इन मोबाइल फोन को ट्रैक किया।

पार्किंग से बाहर खड़ी की गाड़ी तो कटेगा चालान

लखनऊ में 20 पार्किंग पॉइंट बनाए गए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में नया साल मनाने घर से निकल चुके हैं तो जान लीजिए कि रूट डायवर्जन है। 20 पार्किंग पॉइंट भी तय कर दिए गए हैं। अगर गलत रूट से निकले और यूं ही कहीं सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर दी तो चालान कट जाएगा। ऐसे में घर से पूरा डायवर्जन और पार्किंग प्लान पढ़कर ही बाहर निकलिए। यातायात पुलिस ने कहा है कि अनावश्यक रूप से वाहन लेकर न निकलें और पुलिस के निर्देशों का पालन करें। 31 दिसंबर की रात न्यू ईयर ईव की पार्टी के बाद 1 जनवरी की सुबह अगर पार्कों, चिड़ियाघर में घूमने जा रहे हैं या किसी मंदिर में दर्शन-पूजन करने जा रहे हैं तो ये खबर पूरी पढ़िए। हजरतगंज/धार्मिक-पर्यटन स्थल/मॉल और होटल आदि स्थलों पर आने वाले वाहनों की पार्किंग के लिए निम्नानुसार व्यवस्था की गई है। निर्धारित पार्किंग स्थल पर वाहनों को पार्क न करने और बताए गए स्थलों पर रोड/सड़क पर पार्किंग करने या किसी भी प्रकार से ट्रैफिक बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अब्दुल हमीद चौराहा से एमबी क्लब, नेहरू चौराहा न जाकर वाहन अटल रोड से गुरुद्वारा चौराहा कैंट होकर जा सकेंगे। अयोध्या रोड की तरफ से कैसरबाग बस अड्डा आने-जाने वाली बसें सिकंदरबाग, हजरतगंज न जाकर पीएनटी, बैकुंठ धाम, संकल्प वाटिका ओवर ब्रिज, लक्ष्मण मेला, चिरैयाझील, मोतीमहल, केडी सिंह बाबू स्टेडियम से दाहिने परिवर्तन चौक, सुभाष, क्लार्क्स अवध होटल, सीडीआरआई जाएंगे।

सीएम योगी से मिली लव जिहाद पीड़ित डॉक्टर

मुख्यमंत्री का सख्त आदेश- आरोपी को अरेस्ट करो, विभाग के डॉक्टरों ने बयान दिए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ KGMU में चल रहे लव जिहाद प्रकरण में बुधवार का दिन अहम रहा। पीड़ित डॉक्टर सीएम योगी से मिली। सीएम योगी ने आरोपी डॉक्टर ने आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी का सख्त आदेश दिया। इधर यूनिवर्सिटी परिसर में पैथोलॉजी विभाग के डॉक्टरों के बयान दर्ज किए गए। हालांकि, HOD अब भी यूनिवर्सिटी नहीं लौटे हैं जिससे उनका बयान नहीं हो सका। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे सभी 7 सदस्यीय मेंबर्स की मौजूदगी में जांच टीम ने पैथोलॉजी विभाग में कार्रवाई शुरू की। जांच टीम में पैथोलॉजी विभाग के वह प्रोफेसर भी शामिल हुए, जिन पर लैब के अंदर नमाज और तकरीरें पढ़ने का आरोप था। जांच कमेटी के सामने बचाव पक्ष की तरफ से भी खुलकर बातें रखी गईं। वहीं, पीड़ित डॉक्टर से सीएम योगी ने इंसाफ दिलाने का वादा किया है। पुलिस अफसरों को सख्त मैसेज दिया गया है कि आरोपी डॉक्टर को किसी भी हालत में गिरफ्तार करके लाओ। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई का भरोसा दिया है। पीड़ित और सीएम योगी की यह मुलाकात पूरी तरह गोपनीय रखी गई। सूत्रों की माने तो मुलाकात के दौरान पीड़िता और उसकी मां द्वारा अब तक दोषी के पुलिस की गिरफ्त से दूर होने की बात कही। आप बीती सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए बिना देर किए कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही पीड़ित को न्याय का भरोसा दिलाया। वहीं, पीड़िता की मुख्यमंत्री से मुलाकात करने की खबर जैसे ही कैंपस पहुंची। यहां भी माहौल गरमा गया। तमाम तरह की अटकलें लगाई जाने लगी। KGMU शिक्षक संघ के महासचिव प्रो. संतोष कुमार की तरफ से विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि पैथोलॉजी विभाग में घटी घटना के बाद KGMU प्रशासन ने तुरंत विशाखा समिति से जांच कराकर रिपोर्ट महिला आयोग और शासन को भेज दी थी। KGMU प्रशासन ने आरोपी को निलंबित कर उसके परिसर में प्रवेश पर भी पाबंदी लगा दी है।

डॉ. रमीजुद्दीन नायक, आरोपी

मुख्यमंत्री से मुलाकात की खबर से केजीएमयू में भी हड़कंप

इस बीच बुधवार शाम KGMU की पीड़ित डॉक्टर अपनी मां के साथ मुख्यमंत्री से मिली। मुलाकात के दौरान पीड़ित डॉक्टर ने अपनी आपबीती सुनाई। मौके पर ही सीएम ने अफसरों को तत्काल एक्शन के निर्देश देते हुए बिना देर किए आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए है।

कुलपति के पक्ष में उतरा केजीएमयू शिक्षक संघ

वहीं, दूसरी तरफ धर्मांतरण के प्रयास मामले में हो रहे धरना-प्रदर्शन और पुतला फूंके जाने के बाद KGMU शिक्षक संघ कुलपति के पक्ष में उतर आया है। बुधवार को शिक्षक संघ की आपात बैठक हुई, जिसमें धरना-प्रदर्शन और कुलपति का पुतला फूंकने को राजनीति से प्रेरित और छवि धूमिल करने वाला बताया गया।

काशी ने नव वर्ष 2026 का किया स्वागत

वाराणसी। नववर्ष के अवसर पर काशी में आस्था, उत्सव और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा। गुरुवार की सुबह श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में मंगला आरती के पश्चात आम भक्तों के लिए बाबा विश्वनाथ के द्वार खोल दिए गए। लाखों श्रद्धालु कतारबद्ध होकर दर्शन के लिए पहुंचे। 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। गंगाद्वार समेत मंदिर के सभी प्रवेश द्वारों पर भक्तों की भारी भीड़ रही। मंदिर प्रशासन द्वारा लागू प्रोटोकॉल के तहत विशेष दर्शन और स्पर्श दर्शन पर प्रतिबंध लगाया गया, जिससे व्यवस्था सुचारु बनी रही। सिर्फ मंदिर ही नहीं गंगा घाट से लेकर गली चौराहे श्रद्धालुओं से भरे हैं। टूरिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मेहता के अनुसार जापान, फ्रांस, रूस, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड सहित कई देशों से बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक काशी पहुंचे हैं। मंदिर के गेट के बाहर श्रद्धालुओं की भीड़। यह भीड़ नये वर्ष के एक दिन पहले का आरती में 2 लाख लोग शामिल हुए।

तांत्रिक ने लड़की को बंधक बनाया, कपड़े उतरवाए

आगरा में बोला- पेट में जिन्न का बच्चा है, जैसे उसने किया

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में इलाज के बहाने एक तांत्रिक ने नाबालिग लड़की से फिजिकल रिलेशन बनाने की कोशिश की। दो दिनों तक बंधक बनाकर रखा। बंद कमरे में उसके कपड़े उतरवाए। आरोपी ने दावा किया- लड़की के पेट में जिन्न का बच्चा है। वह छह महीने की प्रेग्नेंट है। जैसे जिन्न ने तुम्हारे साथ किया, वैसे ही मुझे भी करना पड़ेगा। तभी वो बच्चा गायब होगा। पीड़िता ने बताया- जब उसने विरोध किया तो तांत्रिक ने वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी। तांत्रिक के चंगुल से निकलने के बाद 22 दिसंबर को उसने अपनी बहन से पूरी आपबीती बताई। घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र की है। पीड़िता ने 31 दिसंबर को एफआईआर दर्ज कराई है। युवती फतेहपुर सिकरी की रहने वाली है। 17 वर्षीय युवती की मां ने बताया- 16 दिसंबर को एक तांत्रिक हमारे गांव आया था। वहां पर ढोल नगाड़े बज रहे थे। मेरे ससुर, बेटे और बेटी खेतों की ओर जा रहे थे। तमाशा देखने के लिए वे लोग वहां रुक गए। उसी समय बाबा ने मेरे ससुर को कुछ खाने के लिए दे दिया। खाते ही उनके सिर में दर्द होने लगा। इसके बाद तांत्रिक बोला कि मुझे आपके घर चलना पड़ेगा। वे लोग तांत्रिक को लेकर घर पहुंचे। उसने दावा किया कि मेरे घर में भूत-प्रेत है। हमने उसकी बातों को सच मान लिया। उपाय पूछा तो वह चला गया। अगले दिन 17 दिसंबर को वह फिर ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंचा। उसके साथ करीब 10-15 लोग थे।

एसबीआई बैंक मैनेजर सरयू में कूदा

अयोध्या। अयोध्या में SBI ब्रांच मैनेजर ने सरयू नदी में कूदकर जान दे दी। वह दोपहर 12 बजे पुल पर पहुंचे। वहां से पत्नी को लास्ट लोकेशन भेजी। इसके बाद पीठ पर लदा बैग बिना उतारे वह कूद गए। दिन का वक्त होने के चलते पुल पर भीड़भाड़ थी। लोगों ने उन्हें कूदते देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। रात करीब 8 बजे मैनेजर का शव मिला। बैग में मिले कागजों से उनकी शिनाख्त राम बाबू सोनी (38) के रूप में हुई। पुलिस ने रात को परिवार को जानकारी दी। राम बाबू सोनी गोंडा जिले के मनकापुर के रहने वाले थे। वह बहराइच में SBI ब्रांच में तैनात थे। बैंक मैनेजर ने सुसाइड क्यों किया? वजह अभी क्लियर नहीं हो पाई है। राम बाबू की 2011 में सिद्धार्थ नगर जिले के बांसी में रहने वाली ऐश्वर्या लक्ष्मी से शादी हुई थी। उनकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी ओजस्वी 13 साल जबकि छोटी बेटी अन्वी 10 साल की है। पत्नी हाउस हैं। 15 दिन पहले यानी 15 दिसंबर को परिवार के साथ जन्मदिन मनाया था। पिता विश्वनाथ सोनी की 2001 में मौत हो गई थी।

वारदात : दोस्त के साथ गया था बाजार, हमलावरों ने घरों लौटते समय पीछे से किया हमला

लाठी-डंडे से पीटकर युवक की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ में दोस्त के साथ घर लौट रहे युवक की लाठी-डंडे से पीट कर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने बाइक सवार युवकों पर पीछे से हमला किया। जिसके बाद दोस्त बाइक को तेजी से भगाने लगा। इस दौरान पीछे बैठा दोस्त नीचे गिर गया। हमलावर उसे लाठी-डंडो से पीटने लगे। ये देखते ही बाइक चला रहा युवक घर से परिजनों को लेने के लिए भागा। परिजनों के वापस आने पर युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। अस्पताल लेने जाने पर युवक ने दम तोड़ दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में छानबीन की जा रही है। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में गांव के लोगों ने गुरुवार सुबह सड़क जाम करके प्रदर्शन किया। 12 घंटे के अंदर अपराधियों को पकड़ने की मांग की। फॉरेंसिक टीम डॉग स्क्वायड और सर्विलांस टीम को इस पूरी घटना के खुलासे के लिए लगा दिया गया है। मामला मेंहनाजपुर थाना क्षेत्र के दरियापुर नेवादा के ईटैंली बाजार का देर रात का है। मेंहनाजपुर का रहने वाला अखिलेश सोनकर(24) ईटैंली बाजार में फास्ट फूड की दुकान चलाता था। बुधवार वह अपने दोस्त संदीप के साथ बाजार गया था। देर रात बाजार से घर वापस लौटते समय हमलावरों ने पीछे से लाठियों से हमला किया गया। जब पीछे से आरोपियों ने अखिलेश सोनकर के सिर पर प्रहार किया तो अखिलेश ने अपने साथी संदीप को बाइक और तेज भागने के लिए कहा। इसी बीच अखिलेश सोनकर बाइक से नीचे जमीन पर गिर गया।

अखिलेश सोनकर, मृतक

> पुलिस ने बताया- 8 महीने पहले उधारी को लेकर मृतक अखिलेश का तीन लड़कों से झगड़ा हुआ था। सभी जौनपुर के रहने वाले थे। इस मामले में मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह का कहना है कि अखिलेश सोनकर बाइक से अपने साथी के साथ घर जा रहा था। आरोपियों के इस हमले में युवक की मौत हो गई है। इस संबंध में थाना मेहनाजपुर में मुकदमा दर्ज कर मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। घटना में शामिल जो भी आरोपी है उनकी तलाश में पुलिस की टीम में छापेमारी कर रही है। जल्द ही घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर इस घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

परिजनों ने इंसान की मांग करते हुए मृतक की फोटो लेकर प्रदर्शन किया।

तीन घंटे तक रही सड़क जाम

अखिलेश की हत्या से आक्रोशित परिजनों और गांव के लोगों ने सुबह 6:00 बजे से 9:00 बजे तक लगभग 3 घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने 12 घंटे के अंदर घटना में शामिल अपराधियों को पकड़ने की मांग की है।

पृष्ठ 01 का शेष...

राज ठाकरे और ...

16 जनवरी को रिजल्ट आएगा। उम्मीदवारी वापस लेने की शुक्रवार को आखिरी तारीख है। उद्धव और राज ठाकरे ने 20 साल बाद चुनाव साथ लड़ने का ऐलान किया है। इससे पहले 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर मनसे पार्टी बनाई थी। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। मीडिया से उद्धव ठाकरे ने कहा था कि हमारी सोच एक है अगर बंटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम सब एक हैं। मुंबई में 32 सीटों पर BJP-शिंदे सेना और ठाकरे सेना-MNS के बीच सीधा मुकाबला मुंबई नगर निकाय की 227 सीटों में से 32 सीटों पर BJP-शिवसेना गठबंधन और शिवसेना (UBT)-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के बीच सीधा मुकाबला होगा। यह स्थिति इसलिए बनी है क्योंकि कांग्रेस-बहुजन वंचित अघाड़ी (VBA) गठबंधन ने इन सीटों पर कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। कांग्रेस ने अब तक मुंबई में 143 उम्मीदवारों की घोषणा की है। VBA के 46 सीटों पर चुनाव लड़ने और वामपंथी दलों और राष्ट्रीय समाज पार्टी सहित अन्य सहयोगियों को छह सीटें आवंटित होने के साथ, कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 195 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

पहली वंदे भारत ...

सबसे पहले सूरत से बिलिमोरा तक का सेक्शन खुलेगा। उसके बाद वापी से सूरत तक खुलेगा। फिर वापी से अहमदाबाद तक खुलेगा और उसके बाद ठाणे से अहमदाबाद तक चलाई जाएगी। रेलमंत्री वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी जल्द ही पहली स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा, लंबे समय से नई जनरेशन की ट्रेनों की मांग हो रही थी। वंदे भारत चेयर कार ने भारतीय रेलवे में एक नए युग की शुरुआत की। लोगों को यह बहुत पसंद आने लगी। देश के कोने-कोने से वंदे भारत ट्रेनें चलाने की मांग हो रही है। वंदे भारत स्लीपर में एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स, बेहतर सस्पेंशन सिस्टम और वर्ल्ड-क्लास स्लीपर कोच हैं। वैष्णव ने बताया कि आमतौर पर, गुवाहाटी-हावड़ा रूट पर हवाई किराया 6,000 से 8,000 के बीच होता है। कभी-कभी 10,000 तक भी पहुंच जाता है। वहीं, वंदे भारत स्लीपर में गुवाहाटी से हावड़ा तक थर्ड AC का किराया 2,300 रखा गया है।

14 मौतों की ...

यहां घंटी बजाकर विजयवर्गीय के खिलाफ नारेबाजी की। उनका इस्तीफा मांगा। विजयवर्गीय की फोटो पर जूते-चप्पल भी बरसाए। प्रदर्शन में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना भी मौजूद रहे। शर्मा ने कहा- इस तरह का बयान यह दर्शाता है कि भाजपा नेता सत्ता के नशे में मदमस्त हो गए हैं। हमारी मांग है कि मृतकों के परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, प्रत्येक परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा मिले। वहीं, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष कंसाना ने कहा कि कैलाश विजयवर्गीय से तत्काल इस्तीफा लिया जाए। जबलपुर में भी गुरुवार को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ता हाथों में घंटा लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। बाहर खड़े होकर घंटियां बजाईं।

स्विट्जरलैंड के ...

घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक अस्पताल झुलसे हुए मरीजों से भर गए हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्विस न्यूज आउटलेट ब्लिक के मुताबिक यह धमाका और उसके बाद लगी आग शायद एक कॉन्सर्ट के दौरान आतिशबाजी की वजह से हुई हो सकती है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। विस्फोट वाली जगह और आसपास का इलाका सील कर दिया गया है। क्रांस-मोंटाना स्विट्जरलैंड के आल्प्स पर्वत क्षेत्र में स्थित एक लग्जरी स्की रिसॉर्ट है। यह जगह स्विस राजधानी बर्न से करीब दो घंटे की दूरी पर है और यहां हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट आते हैं, खासकर सर्दियों और नए साल के समय। 15,000 की आबादी वाला यह शहर देश के सबसे खास और महंगे इलाकों में गिना जाता है और सालभर मिलने वाली धूप के लिए मशहूर है। इसकी वजह यह है कि यह रोन घाटी में दक्षिण की ओर ढलान वाले पठार पर स्थित है। क्रांस-मोंटाना से मैटरहॉर्न पहाड़ दिखाई देता है, जिसे स्विट्जरलैंड की सबसे मशहूर पहचान माना जाता है। इसके अलावा यहां से मोंट ब्लांक जैसी अन्य ऊंची चोटियों के भी शानदार नजारे मिलते हैं।

एसी-फ्रिज जैसे ...

त्यागराजन के मुताबिक, नया 5-स्टार AC आज के मुकाबले 10% ज्यादा बिजली बचाएगा, लेकिन इसकी कीमत भी करीब 10% ज्यादा होगी। यह एक तरह से पूरी तरह नया प्रोडक्ट होगा जो आज के 6 या 7-स्टार रेटिंग के बराबर की एफिशिएंसी देगा। कंपनियों को BEE की नई स्टार लेबलिंग अन्य घरेलू उपकरणों पर भी लगानी होगी। इसमें टेलीविजन (TV), LPG गैस चूल्हे, कूलिंग टावर्स और चिलर्स पर भी स्टार रेटिंग देना जरूरी होगा। इससे ग्राहकों को सामान खरीदते समय यह समझने में आसानी होगी कि कौन सा उपकरण कितनी बिजली या गैस की बचत करेगा। गोदरेज अप्लायंसेज के बिजनेस हेड कमल नंदी ने कहा कि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडस्ट्री इस वक्त दोहरी मार झेल रही है। एक तरफ रुपए की गिरती वैल्यू और कॉपर जैसी कमोडिटीज की बढ़ती कीमतें हैं, तो दूसरी तरफ एनर्जी रेटिंग में बदलाव।

तांत्रिक ने लड़की को बंधक बनाया, कपड़े उतरवाए

आगरा में बोला- पेट में जिन्न का बच्चा है

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में इलाज के बहाने एक तांत्रिक ने नाबालिग लड़की से फिजिकल रिलेशन बनाने की कोशिश की। दो दिनों तक बंधक बनाए रखा। बंद कमरे में उसके सभी कपड़े उतरवाए। आरोपी ने कहा- लड़की के पेट में जिन्न का बच्चा है। वह छह महीने की प्रेग्नेंट हैं। जैसे जिन्न ने तुम्हारे साथ किया, वैसे ही मुझे भी करना पड़ेगा। तभी वो बच्चा गायब होगा। पीड़िता ने बताया- जब उसने विरोध किया तो तांत्रिक ने वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी। तांत्रिक के चंगुल से निकलने के बाद 22 दिसंबर को उसने अपनी बहन से पूरी आपबीती बताई। घटना जगदीशपुर थानाक्षेत्र की है। पीड़िता ने 31 दिसंबर को एफआईआर दर्ज कराई है। युवती फतेहपुर सिकरी की रहने वाली है। 17 वर्षीय युवती की मां ने बताया- 16 दिसंबर को एक तांत्रिक हमारे गांव आया था। वहां पर ढोल नगाड़े बज रहे थे। मेरे ससुर, बेटे और बेटी खेतों की ओर जा रहे थे। तमाशा देखने के लिए वे लोग वहां रुक गए। उसी समय बाबा ने मेरे ससुर को कुछ खाने के लिए दे दिया। खाते ही उनके सिर में दर्द होने लगा। इसके बाद तांत्रिक बोला कि मुझे आपके घर चलना पड़ेगा। वे लोग तांत्रिक को लेकर घर पहुंचे। घर पहुंचने पर उसने दावा किया कि मेरे घर में भूत-प्रेत है।

- पेट में जिन्न का बच्चा बताकर तांत्रिक ने शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676